हंसराज महाविद्यालय

दिल्ली वि१वविद्यालय
महात्मा हंसराज मार्ग,
मलकागंज, दिल्ली -110007
दूरभाष : 011-27667458, 27667747
ई-मेल : principal_hrc@yahoo.com
वेबसाइट : www.hansrajcollege.ac.in

HANS RAJ COLLEGE

UNIVERSITY OF DELHI
Mahatma Hansraj Marg
Malkaganj, Delhi – 110007
Tel.: 011-27667458, 27667747
E-mail: principal_hrc@yahoo.com
Website: www.hansrajcollege.ac.in

NAAC ACCREDITED 'A++' GRADE COLLEGE

राष्ट्ररक्षा का आह्वान

हंसराज कॉलेज की ओर से एक एकजुट होने की अपील

"भारत की एकता, सुरक्षा और सम्मान - हम सबकी पहली जिम्मेदारी है।"

कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुआ कायरतापूर्ण आतंकी हमला न केवल निर्दोष नागरिकों पर आघात था बल्कि यह भारत की आत्मा पर किया गया क्रूर प्रहार भी है। इन घावों के बीच से ही एक नयी चेतना, नए संकल्प ने जन्म लिया और उसी का प्रतीक है भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया #ऑपरेशन_सिंदूर। यह सिर्फ सैन्य अभियान नहीं बल्कि भारत की आत्मरक्षा, न्याय और आत्मसम्मान का संग्राम है। **हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, इस ऐतिहासिक पहल का पूर्ण समर्थन करते हुए अपने वीर सैनिकों के शौर्य, समर्पण और बलिदान को कोटि-कोटि प्रणाम करता है।**

ऑपरेशन सिंदूर – एक साहसी उत्तर, एक ऐतिहासिक संदेश

इस अभियान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब केवल प्रतिक्रिया नहीं, पहलकदमी करता है। यह न्याय की पुनर्स्थापना का प्रयास है और आतंक की जड़ों को उखाड़ फेंकने का प्रण।

इस अभियान में महिला सैन्य अधिकारियों की नेतृत्वकारी भूमिका ने नारी शक्ति के युग की घोषणा कर दी है। यह भारत की सैन्य शक्ति में न केवल शौर्य है बल्कि संवेदना, बुद्धिमत्ता और संकल्प का मेल भी है।

हमारा कर्तव्य – राष्ट्र के साथ अडिग खड़े रहना

इस संकट की घड़ी में राष्ट्र ही सर्वोपरि है। हंसराज कॉलेज समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों , विद्यार्थियों और नागरिकों से यह आह्वान करता है कि वे राष्ट्रहित में निम्नलिखित बिंदुओं को अपने व्यवहार का हिस्सा बनाएं:

- सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों का अनुशासनपूर्वक पालन करें।
- सोशल मीडिया पर फैल रहे दुष्प्रचार, अफवाहों और राष्ट्रविरोधी सामग्री से सजग रहें और उन्हें फैलने से रोकें।
- धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्र के आधार पर फैलाए जा रहे विद्वेष को अस्वीकार कर, समाज में भाईचारा व एकता को बढ़ावा दें।
- सैनिकों, पुलिस व प्रशासन को हर संभव सहयोग दें। यह सिर्फ मदद नहीं, राष्ट्र की सेवा है।
- रक्तदान, राहत सामग्री वितरण, आश्रय व्यवस्था, मानसिक सहयोग जैसे सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लें।
- संस्थान, घर और समाज में सुरक्षा, सतर्कता और सकारात्मक वातावरण बनाए रखें।

शिक्षा केवल ज्ञान नहीं, राष्ट्रसेवा का माध्यम भी है

हंसराज कॉलेज यह मानता है कि शिक्षकों और छात्रों की भूमिका केवल कक्षाओं तक सीमित नहीं है। हम सब राष्ट्र निर्माण के वाहक हैं। हमारे विचार, शब्द और कर्म – सब राष्ट्र की आत्मा को आकार देते हैं। इसलिए, हम सभी शिक्षकों से आग्रह करते हैं कि वे विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सेवा भावना को जागृत करें। छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे सतर्क नागरिक बनें – जो न केवल सजग रहें, बल्कि संकट के समय सक्रिय सहयोगी भी बनें।

भारत की रक्षा – हम सबकी जिम्मेदारी

आज जब हमारी सीमाओं पर सैनिक डटे हुए हैं, तो हमारा नैतिक कर्तव्य है कि हम उनके साथ खड़े रहें। उनकी वीरता को केवल तालियों से नहीं, बल्कि अपने उत्तरदायित्व की पूर्ति से सम्मान दें।

भारत की वीर सेना को शत-शत नमन, जिनके शौर्य से आतंक काँपता है। प्रधानमंत्री मोदी जी के निर्णायक नेतृत्व में भारत आतंक के हर मंसूबे का जवाब दे रहा है। **जय हिंद! वंदे मातरम्!**

प्रो. (डॉ.) रमा
प्राचार्या